

**GOVERNMENT OF INDIA**

**MINISTRY OF CULTURE**

**RAJYA SABHA**

**STARRED QUESTION NO. \*229**

**TO BE ANSWERED ON 24.03.2022**

**PROMOTING ART AND CULTURE TO PROVIDE EMPLOYMENT**

**\*229. SHRI HARNATH SINGH YADAV:**

**Will the Minister of CULTURE be pleased to state:**

- (a) whether Government has promoted the Indian art, literature and culture to provide employment to youth in the country;**
- (b) if so, the details thereof and the total amount spent thereon;**
- (c) whether the preservation of ancient and medieval literature of the country in Indian languages attracts the youth of the country and if not, the reasons therefor; and**
- (d) whether Government has formulated any plan for States like Uttar Pradesh to promote the Indian art, literature and culture especially in rural areas of the country?**

**ANSWER**

**MINISTER OF CULTURE, TOURISM and DEVELOPMENT OF  
NORTH EASTERN REGION  
(G.KISHAN REDDY)**

**(a) to (d) A statement is laid on the table of the House.**

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PART (a) TO (d) OF RAJYA SABHA  
STARRED QUESTION NO. 229 FOR 24.03.2022.**

(a) to (b) : The mandate of the Ministry of Culture is preservation & conservation of cultural heritage, protection, development & promotion of literature, music, dance, visual arts and drama. Employment generation is not the objective of the Ministry. However, the activities carried out through various organizations under the Ministry generate indirect employment to a large number of people associated with Indian Art, Literature and Culture.

There are several akademik, fellowships, scholarships and training programmes organized by the autonomous bodies of the Ministry of Culture which help the artists to find an employment in their field of expertise.

National School of Drama (NSD), an autonomous organization under Ministry of Culture conducts a 3-year diploma course and one year certificate course in Dramatic Arts.

Centre for Cultural Resources and Training (CCRT), another autonomous organization under Ministry of Culture, is running a scholarship scheme called "Award of Scholarships to Young Artistes (SYA) in Different Cultural Fields (18-25 Years)". Regular teacher training programmes are conducted by CCRT through which around 14000 teachers are trained all over the country every year.

Kalakshetra Foundation (autonomous body under the Ministry of Culture) has a unit named Rukmini Devi College of Fine Arts where training is imparted in the different classical art forms of South India like Bharatanatyam, Carnatic music, fine arts, etc. This helps students to establish themselves in the respective fields.

Lalit Kala Akademi (LKA) provides scholarships to 40 young artists every year. LKA also conducts exhibitions and provides studio facilities for young artists as well.

Sangeet Natak Akademi (SNA), another autonomous organization under Ministry of Culture, has instituted a special Award for the Youth namely Bismillah Khan Yuva Puraskar. All these programmes help the youth to find employment in the field of culture.

The total amount spent for promotion of Indian Art, Literature and Culture through the different akademies in the last three years is Rs.789.40 cr. The details are placed at **ANNEXURE – I.**

- (c) Yes sir. The preservation of ancient and medieval literature of the country in Indian languages attracts the youth of the country. It may be appreciated that few akademik courses of Kalakshetra, Chennai which are sought after by the youth include the study of ancient and medieval literature.

Sahitya Akademi carries a number of programs for youth and confers several awards to promote literature, local dialects among the young generation. Some of the awards are: Sahitya Akademi Award, YuvaPuruskar, Bal Sahitya Puruskar, Translation Prize, and Bhasha Samman. Sahitya Akademi also runs programs titled, YuvaSahiti&Avishkar, to encourage young writers writing in different Indian languages. The Akademi offers travel grants to young writers for traveling to other States to get acquainted with literary ambience of another language. These programs attract the youth in large numbers.

- (d) Yes sir. The Government of India (GoI) has constantly promoted Indian art, literature and Culture in Uttar Pradesh. Various activities like training programmes, seminars, webinars, provision of fellowships, Scholarships, are done regularly in the State.

Ministry of Culture, GoI has started Regional Centres of its Autonomous Bodies like Lalit Kala Akademi (LKA), National School of Drama (NSD) and Sahitya Akademi (SA) in Uttar Pradesh to promote art, culture, literature in the state. Sahitya Akademi, an Autonomous Body has launched a village outreach series – Gramalok with an aim to promote Indian Literature in the villages thereby creating interest among the village youth in Indian cultural, literacy and philosophical traditions and also invites talent from the village to participate in these programmes.

\*\*\*\*\*

ANNEXURE-I

***(Rs. in crore)***

<b>Name of the Organization</b>	<b>Budget for the financial year 2021-22</b>	<b>Budget in last three years</b>
National School of Drama	64.45	186.06
Centre for Cultural Resources and Training	24.55	69.40
Kalakshetra Foundation	18.72	51.37
Lalit Kala Akademi	25.58	74.43
Sangeet NatakAkademi	60.87	178.83
Sahitya Akademi	37.87	106.31
Indira Gandhi National Centre for the Arts	53.30	123.00
<b>Total</b>	<b>285.34</b>	<b>789.40</b>

\*\*\*\*\*

भारत सरकार  
संस्कृति मंत्रालय  
राज्य सभा  
तारांकित प्रश्न संख्या : \*229  
उत्तर देने की तारीख : 24 मार्च, 2022

रोजगार प्रदान करने के लिए कला और संस्कृति को बढ़ावा देना

\*229. श्री हरनाथ सिंह यादव :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने देश में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा दिया है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है;
- (ग) क्या भारतीय भाषाओं में देश के प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य का परिरक्षण किए जाने से देश के युवा इसकी ओर आकृष्ट होंगे और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (घ) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों विशेष रूप से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना बनाई है।

उत्तर

(जी. किशन रेड्डी)

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**'रोजगार प्रदान करने के लिए कला और संस्कृति को बढ़ावा देना' के संबंध में दिनांक 24 मार्च, 2022 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*229 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

(क) और (ख) : संस्कृति मंत्रालय का अधिदेश सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण एवं संवर्धन, साहित्य, संगीत, नृत्य, दृश्य कलाओं और नाटक का संरक्षण, विकास एवं संवर्धन करना है। रोजगार सृजन करना इस मंत्रालय का उद्देश्य नहीं है। तथापि, मंत्रालय के नियंत्रणाधीन विभिन्न संगठनों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति से संबंधित लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार सृजित किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त निकायों द्वारा अनेक शैक्षणिक, अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति और प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो कलाकारों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में रोजगार ढूंढने में सहायता करते हैं।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) द्वारा नाट्य कलाओं में 3 वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम और एक वर्ष का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन अन्य स्वायत्त संगठन, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) द्वारा "विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों (18 से 25 वर्ष) को छात्रवृत्तियां प्रदान करना (एसवाईए)" नामक छात्रवृत्ति स्कीम संचालित की जा रही है। सीसीआरटी द्वारा नियमित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं जिनके माध्यम से देश भर के लगभग 14000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय) में रुक्मिणी देवी ललित कला महाविद्यालय नामक इकाई है जहां भरतनाट्यम, कनार्टक संगीत और ललित कलाओं जैसे विभिन्न दक्षिण भारतीय शास्त्रीय कला रूपों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इससे छात्रों को संबंधित क्षेत्रों में स्वयं को स्थापित करने में सहायता मिलती है।

ललित कला अकादेमी (एलकेए) प्रत्येक वर्ष 40 युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां प्रदान करती हैं। एलकेए युवा कलाकारों के लिए प्रदर्शनियां आयोजित करता है और स्टूडियो सुविधाएं भी प्रदान करता है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन अन्य स्वायत्त संगठन, संगीत नाटक अकादेमी (एसएनए) ने युवाओं के लिए बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार नामक विशेष पुरस्कार की शुरुआत की है। ये सभी कार्यक्रम युवाओं को संस्कृति के क्षेत्र में रोजगार ढूंढने में सहायता करते हैं।

विगत तीन वर्षों में विभिन्न अकादेमियों के माध्यम से भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के संवर्धन के लिए व्यय की गई कुल राशि 789.40 करोड़ रुपये है। तत्संबंधी विवरण **अनुलग्नक-1** पर दिया गया है।

(ग) : जी, हां। भारतीय भाषाओं में देश के प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य का परिरक्षण देश के युवाओं को आकर्षित करता है। यह सराहनीय है कि कलाक्षेत्र, चेन्नई के कुछ अकादमिक पाठ्यक्रम जो युवाओं में सबसे अधिक लोकप्रिय हैं, में प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य का अध्ययन शामिल है।

साहित्य अकादेमी में युवाओं के लिए अनेक कार्यक्रम हैं और यह युवा पीढ़ी के बीच साहित्य, स्थानीय बोलियों को बढ़ावा देने के लिए अनेक पुरस्कार भी प्रदान करती है। कुछ पुरस्कार इस प्रकार हैं : साहित्य अकादेमी पुरस्कार, युवा पुरस्कार, बाल साहित्य पुरस्कार, अनुवाद पुरस्कार और भाषा सम्मान। साहित्य अकादेमी युवा लेखकों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में लेखन कार्य हेतु प्रोत्साहित करने के लिए युवा साहित्य और आविष्कार नामक कार्यक्रम भी संचालित करती है। अकादेमी द्वारा युवा लेखकों को अन्य राज्यों में यात्रा करने के लिए यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाता है ताकि वे अन्य भाषा के साहित्यिक परिवेश से परिचित हो सकें। ये कार्यक्रम बड़ी संख्या में युवाओं को आकर्षित करते हैं।

(घ) : जी, हां। भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश में भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति का लगातार संवर्धन किया है। इस राज्य में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, वेबिनारों, अध्येतावृत्तियों, छात्रवृत्तियों के प्रावधान जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश में कला, संस्कृति, साहित्य को बढ़ावा देने हेतु इस राज्य में ललित कला अकादेमी (एलकेए), राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) और साहित्य अकादेमी (एसए) जैसे अपने स्वायत्त निकायों के क्षेत्रीय केन्द्रों की शुरुआत की है। साहित्य अकादेमी नामक स्वायत्त निकाय ने ग्रामालोक-ग्राम तक पहुंच श्रृंखला की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य गांवों में भारतीय साहित्य को बढ़ावा देना है जिससे गांव के युवाओं में भारतीय संस्कृति, साहित्य और दार्शनिक परंपराओं के प्रति रुचि जागृत हुई है और इन कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु गांव की प्रतिभाओं को भी आमंत्रित किया जाता है।



अनुलग्नक-1

'रोजगार प्रदान करने के लिए कला और संस्कृति को बढ़ावा देना' के संबंध में दिनांक 24 मार्च, 2022 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*229 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

(करोड़ रुपये में)

संगठन का नाम	वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए बजट	विगत तीन वर्षों में बजट
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	64.45	186.06
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र	24.55	69.40
कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान	18.72	51.37
ललित कला अकादेमी	25.58	74.43
संगीत नाटक अकादेमी	60.87	178.83
साहित्य अकादेमी	37.87	106.31
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	53.30	123.00
<b>योग</b>	<b>285.34</b>	<b>789.40</b>

**श्री हरनाथ सिंह यादव :** उपसभापति महोदय, किसी भी देश के विकास में कला, साहित्य और संस्कृति का सभी प्रकार की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान होता है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने ग्रामीण व छोटे नगरीय क्षेत्र के युवा कलाकारों और साहित्यकारों को पुरस्कार प्रदान करने के अतिरिक्त उनकी प्रतिभा को दृष्टिगत रखते हुए अन्य किसी प्रकार से आर्थिक सहायता प्रदान करने के प्रावधान निर्धारित किए हैं? यदि हाँ, तो उसका पूर्ण विवरण क्या है?

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** उपसभापति महोदय, हमारे संस्कृति मंत्रालय का मूल काम कला, संस्कृति और साहित्य को संरक्षित करना और संरक्षण देना है। उसके लिए हम समय-समय पर symposium भी करते रहते हैं, वर्कशॉप भी करते हैं, हमारी जो अकादमी है, उसके माध्यम से activities भी करते रहते हैं। आपने employment generation या COVID के समय लोगों को जो दिक्कतें हुई, उसके संबंध में पूछा है। हमारे मंत्रालय द्वारा उनके लिए workshops भी आयोजित की गई हैं, हम pension भी देते हैं और online courses भी शुरू किए गए हैं। जैसे National School of Drama के द्वारा, Sahitya Akademi के द्वारा, Rukmini Devi College of Fine Arts के माध्यम से Bharatanatyam, Carnatic music, fine arts आदि सभी काम हमारे संस्कृति मंत्रालय के द्वारा समय-समय पर किए जाते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Second supplementary, Shri Harnath Singh Yadav.

**श्री हरनाथ सिंह यादव :** मान्यवर, भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, अपितु किसी राष्ट्र की संसद की प्राण वायु होती है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि संस्कृति मंत्रालय के द्वारा राजभाषा हिन्दी से देश की अन्य मातृभाषाओं में कितनी पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं और भारतीय संस्कृति के चिंतन और पठन-पाठन में अपनी मातृभाषाओं को छोड़कर अंग्रेजी भाषा का क्या औचित्य है?

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** उपसभापति महोदय, जैसे भाषा के बारे में माननीय सदस्य ने सवाल किया है, मैं बताना चाहता हूँ कि हमारे संस्कृति मंत्रालय की तरफ से साहित्य अकादमी पुरस्कार, युवा पुरस्कार, बाल-साहित्य पुरस्कार, translation prize, भाषा सम्मान, युवा साहित्य एवं आविष्कार, युवा लेखकों के लिए अन्य राज्यों की यात्रा कराने आदि का भी प्रावधान है। आपका यह कहना है कि राजभाषा और अंग्रेजी में कितनी पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं, मैं इसके बारे में डिटेल्स में माननीय सदस्य जी को उपलब्ध करा दूंगा।

DR. NARENDRA JADHAV: Sir, our civilizational country has enormous cultural talent which has, in many cases, remained unrecognised and, hence, has been slowly dying. Some years back, a comprehensive national inventory of talents was being prepared. Regrettably, this ambitious project has been discontinued. I would like to

know the reasons as to why that has happened and whether there are any plans to revive it because it would go a long way in promoting art and culture to provide employment.

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जिस project की बात की, उस प्रोजेक्ट को discontinue नहीं किया गया है। उसका process on है। वह कब पूरा होगा, वह समय का विषय हो सकता है, लेकिन inventory बनाने का काम हमने discontinue नहीं किया है।

**श्रीमती जया बच्चन :** उपसभापति महोदय, मैं मंत्री जी का बहुत सम्मान करती हूँ, क्योंकि वे हमारे बहुत पुराने मित्र हैं। मंत्री जी, मैं आपके जवाब से खुश नहीं हूँ। आपने Film and Television Institute को mention ही नहीं किया है। It is another autonomous body of the Government of India. I have been a very proud student of that organization. जिन्होंने भी आपको यह उत्तर लिखकर दिया है, वह ठीक से नहीं दिया है। सर, मंत्री जी ने एक जवाब यह दिया है कि employment generation is not the objective of the Ministry. Employment generation is the objective of the Government; forget your Ministry. I beg your pardon, Sir, but it is very important and, moreover, आप मुझे बता दीजिए कि पिछले 15-10 साल में आपके ऐसे कौन से कलाकार या लेखक हैं, जिनका नाम नेशनल लेवल पर उभर कर आया हो?

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** माननीय सदस्या ने जो प्रश्न किया है और हमने जो जवाब दिया है, उस पर हो सकता है कि उनका एक perception हो। हमने यह कहा है कि employment generation is not the objective of the Ministry. यह सरकार का तो काम है ही, लेकिन फिर हम जितनी भी एक्टिविटीज़ करते हैं, उनमें अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार सृजन का काम संस्कृति मंत्रालय का भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से होता है। हमने 14 हजार टीचर्स को ट्रेनिंग दी। वह भी हमारा काम है। ललित कला अकादमी में हम पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाते हैं, उसमें जो पेंटिंग्स लेकर आते हैं और जब वे प्रदर्शनी में बिकती हैं, तो उनको भी रोज़गार मिलता है। ऐसा नहीं है कि हम रोज़गार नहीं देते हैं। हम रोज़गार देते हैं, लेकिन यह हमारा primary objective नहीं है। आपने हमें कहा कि आप फिल्म इंडस्ट्री को भूल गए। नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा का जिक्र इसमें है, वह आपके पूरे फिल्म कलाकारों को तैयार करने का काम ही करता है। तो हम भूले नहीं हैं और हम किसी भी क्षेत्र को भूलते नहीं हैं। मोदी जी के पीरियड में किसी भी क्षेत्र को भूला नहीं जाता है। 'सबका साथ, सबका विकास' ही हमारा परम दायित्व है।

**SHRI JAWHAR SIRCAR:** I would like to carry on from where Shrimati Jaya Bachchan has mentioned. The Minister has been partially misled into giving a wrong reply. Sir, with all due submissions, let me show you how. I have worked in that Ministry for a long time; your Ministry does provide a lot of employment. There is a word called

'cultural industry', on the basis of which almost 20 per cent of the total employment is provided in advanced countries. In our country also, there are small schemes that benefit every artist, music group, dance group. So, please revisit the answer. It is not the question. Please go back. Your Ministry does provide, and don't allow such answers to come in. Please concentrate...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you.

SHRI JAWHAR SIRCAR: I will take one minute, Sir. The repertory grant reaches every corner, every district of India. That grant has not been given for three years. साहब, ज़रा देखिए, it does provide, and I am giving a positive assessment.

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** टोटल जो ग्रांट है, अगर मैं उसका जिक्र करूँ, तो हमने लगभग पिछले एक साल में 790 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। ग्रांट तो हम दे रहे हैं। आपने जो प्रश्न किया, उसके संबंध में मैं फिर कह रहा हूँ कि रोज़गार देना ही हमारे मंत्रालय का काम नहीं है। यह सरकार का काम है।... (व्यवधान) ...हमारे मंत्रालय का काम है कला, संस्कृति, साहित्य को संरक्षित करना, संरक्षण देना, उसको विकसित करना और उसको प्रमोट करना।... (व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** केवल माननीय मंत्री जी का जवाब ही रिकॉर्ड पर जा रहा है। प्लीज़...(व्यवधान)....

**श्री अर्जुन राम मेघवाल :** उसके लिए जो भी एक्टिविटी करते हैं, उसमें रोज़गार सृजन भी होता है।... (व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** क्वेश्चन नम्बर... 230 (व्यवधान) ...We have moved to another question. ...(*Interruptions*)... Please.

**श्रीमती जया बच्चन :** सर, मैं एक बात कहना चाहती हूँ।

**श्री उपसभापति :** माननीय जया जी आपकी बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है।... (व्यवधान) ... Please, you are not authorized to speak.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: \*

**श्री उपसभापति :** प्रश्न संख्या 230

---

\* Not recorded.